संक्षिप्त जानकारी (श्रृंखला 1.3a)
विल्म्स कैंसर फाउंडेशन
बाल्यावस्था गुर्दा कैंसर / WCF (रोग एवं सहायता)

विल्म्स कैंसर फाउंडेशन
501(c)(3) के अंतर्गत कर-मुक्त मान्यता प्राप्त गैर-लाभकारी संस्था
(EIN: 98-3478827)
712 H Street NE, Suite 2147,
Washington, DC, United States, 20002
ईमेल: info@WilmsFoundation.org | फ़ोन: +1 (778) 514 5000

© विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)। विल्म्स कैंसर फाउंडेशन (WCF) के सहयोग से अनुमति प्राप्त कर इसका उपयोग किया गया है। “CureAll” विश्व स्वास्थ्य संगठन की बाल्यावस्था कैंसर हेतु वैश्विक पहल (Global Initiative for Childhood Cancer – GICC) का एक हिस्सा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन किसी विशेष संस्था, उत्पाद या सेवा का समर्थन या अनुमोदन नहीं करता।

www.WilmsFoundation.org

© कॉपीराइट विल्म्स कैंसर फाउंडेशन | सर्वाधिकार सुरक्षित

विल्म्स कैंसर फाउंडेशन

बाल्यावस्था के गुर्दा कैंसर को हराने की दिशा में

हम कौन हैं

विल्म्स कैंसर फाउंडेशन (WCF) एक धर्मार्थ संगठन है, जिसकी प्रेरणा नौ वर्षीय विलियम हॉजकिंसन से मिली। इसका उद्देश्य विल्म्स (बाल्यावस्था के गुर्दा कैंसर) से प्रभावित बच्चों, उनके परिवारों तथा स्वास्थ्य सेवा संगठनों की आवश्यकताओं का समर्थन करना और उनका प्रतिनिधित्व करना है।

उद्देश्य

हमारा उद्देश्य जागरूकता, शिक्षा, अधिकारों की पैरवी (एडवोकेसी), शीघ्र पहचान (Early Detection) और उपचार का एक राष्ट्रीय कार्यक्रम स्थापित करना है, ताकि इस विनाशकारी कैंसर के प्रसार को रोका जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि विलियम जैसे बच्चों और उनके परिवारों को जीवन-घातक परिस्थितियों का सामना न करना पड़े।

हम 'ड्रीम-मेकिंग' (Dream-Making) जैसे अपने कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों, परिवारों और संगठनों को भी सहायता प्रदान करने का प्रयास करते हैं। यह कार्यक्रम संकट के समय उनके भावनात्मक और आर्थिक बोझ को कम करने के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराता है।

विल्म्स क्या है?

नेफ्रोब्लास्टोमा (जिसे सामान्यतः विल्म्स ट्यूमर कहा जाता है) बच्चों में होने वाले गुर्दे के कैंसर का सबसे सामान्य प्रकार है और कुल मिलाकर बाल्यावस्था में होने वाला चौथा सबसे सामान्य कैंसर है। यह कभी-कभी मूत्र मार्ग की असामान्यताओं या अन्य जन्मजात विकृतियों से भी जुड़ा होता है। विल्म्स ट्यूमर मुख्य रूप से बच्चों को प्रभावित करता है, लेकिन यह किशोरों और कभी-कभी वयस्कों में भी पाया जा सकता है। यह ट्यूमर शुरुआत में गुर्दे में विकसित होता है, लेकिन समय के साथ इतना बढ़ जाता है कि उसका आकार स्वयं गुर्दे से भी बड़ा हो जाता है। अधिकांश मामलों में ट्यूमर और प्रभावित गुर्दे दोनों को शल्यचिकित्सा द्वारा निकालना आवश्यक होता है। बाद के चरणों में यह फेफड़ों, यकृत और हड्डियों सहित शरीर के अन्य भागों में फैल सकता है। अंततः यह जानलेवा भी हो सकता है।यदि इस बीमारी का समय रहते पता चल जाए, तो इसके उपचार के बाद जीवित रहने की संभावना अच्छी होती है। लेकिन दुर्भाग्यवश, कई बच्चों का वर्षों तक निदान नहीं हो पाता, जिसके कारण उन्हें गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ता है और अक्सर कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी या शल्यचिकित्सा जैसे व्यापक और जीवन-रक्षक उपचारों की आवश्यकता पड़ती है।

हर माता-पिता का सबसे बड़ा दुःस्वप्न

स्कूल जाते समय केवल "पेट दर्द" की शिकायत करने वाले विलियम को मात्र सात वर्ष की आयु में चरण 4/5 के विल्म्स कैंसर का निदान हुआ। वह एक सक्रिय और स्वस्थ दिखने वाला बच्चा था, लेकिन जाँच में उसके गुर्दे में एक बहुत बड़ा ट्यूमर तथा उसके फेफड़ों में नौ अतिरिक्त ट्यूमर पाए गए। उसने लगभग एक वर्ष तक उपचार कराया, कई शल्यचिकित्साएँ कराईं और लंबे समय तक कीमोथेरेपी तथा रेडियोथेरेपी से गुज़रा। अंततः उसने सभी कठिनाइयों को पार कर बीमारी पर विजय प्राप्त की, लेकिन बाद में नए ट्यूमर उभरने के कारण उसे कई बार बीमारी के दोबारा लौटने (रिलैप्स) का सामना करना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप उच्च-जोखिम वाली स्टेम-सेल प्रत्यारोपण (Stem Cell Transplant) की आवश्यकता हुई। यदि समय पर निदान हो ~~जाता, तो इस पीड़ा, तनाव और भावनात्मक कष्ट से बचा जा~~ सकता था, साथ ही हमारे स्वास्थ्य सेवा तंत्र पर पड़ने वाले अनावश्यक बोझ को भी कम किया जा सकता था।

विल्म्स ट्यूमर के चरण: 5-वर्षीय जीवित रहने की दर

प्रतिशत (डिफ्यूज़ एनाप्लास्टिक प्रकार)

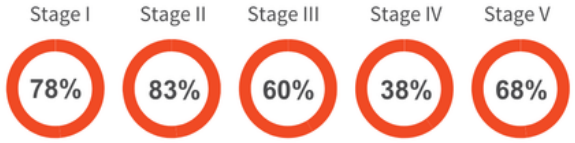

सहायता

विलियम जैसे बच्चों (और उनके परिवारों) को इतनी कम उम्र में कभी भी जीवन-घातक परिस्थितियों का सामना नहीं करना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ऐसी परिस्थितियों का सामना करना आवश्यक भी नहीं है।

विल्म्स कैंसर फाउंडेशन (WCF) के अनेक कार्यक्रमों के माध्यम से इस दुखद बीमारी की शीघ्र पहचान सुनिश्चित करने तथा इससे प्रभावित परिवारों पर पड़ने वाले भावनात्मक और आर्थिक बोझ को कम करने का अवसर उपलब्ध है।

हालाँकि, हम यह कार्य अकेले नहीं कर सकते। अपनी सेवाएँ निरंतर जारी रखने के लिए हम व्यक्तियों और संगठनों के सतत सहयोग और साझेदारी पर निर्भर हैं। उनके सहयोग के बिना, विलियम जैसे बच्चे और उनके जैसे सैकड़ों परिवार अत्यंत कठिन और निराशाजनक परिस्थितियों का सामना करने के लिए विवश होंगे।